सी . एस . आई . आर . – हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान ,पालमपुर, हि .प्र.
CSIR-Institute of Himalayan Bioresource Technology, Palampur, H.P.

लिलियम की खेती

भूमिका:

- लिलियम कंदीय वर्ग का महत्वपूर्ण पुष्प है।
- विश्व बाजार में लिलियम का कर्तित पुष्प में दसवां स्थान है।

लाहौल में लिलियम की खेती का असर:

(राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, नई दिल्ली द्वारा किया गया विश्लेषण)

- लाहौल में लिलियम का क्षेत्र : 5.8 हेक्टेयर
- टर्नओवर : रु 1.16 करोड़
- रोजगार अवसर (श्रम दिन) : 17,400

लिलियम की खेती से शुद्ध आय:

मटर से : 5 गुणा अधिक
आलू से : 6.67 गुणा अधिक

आजीविका पर अनुकूल प्रभाव:

- कपड़ों पर बढ़े व्यय : 11.93%
- आवास से संबंधित खर्च : 17.96%
- बच्चों की शिक्षा : 20.51%
- संपत्तियां : 24.55%

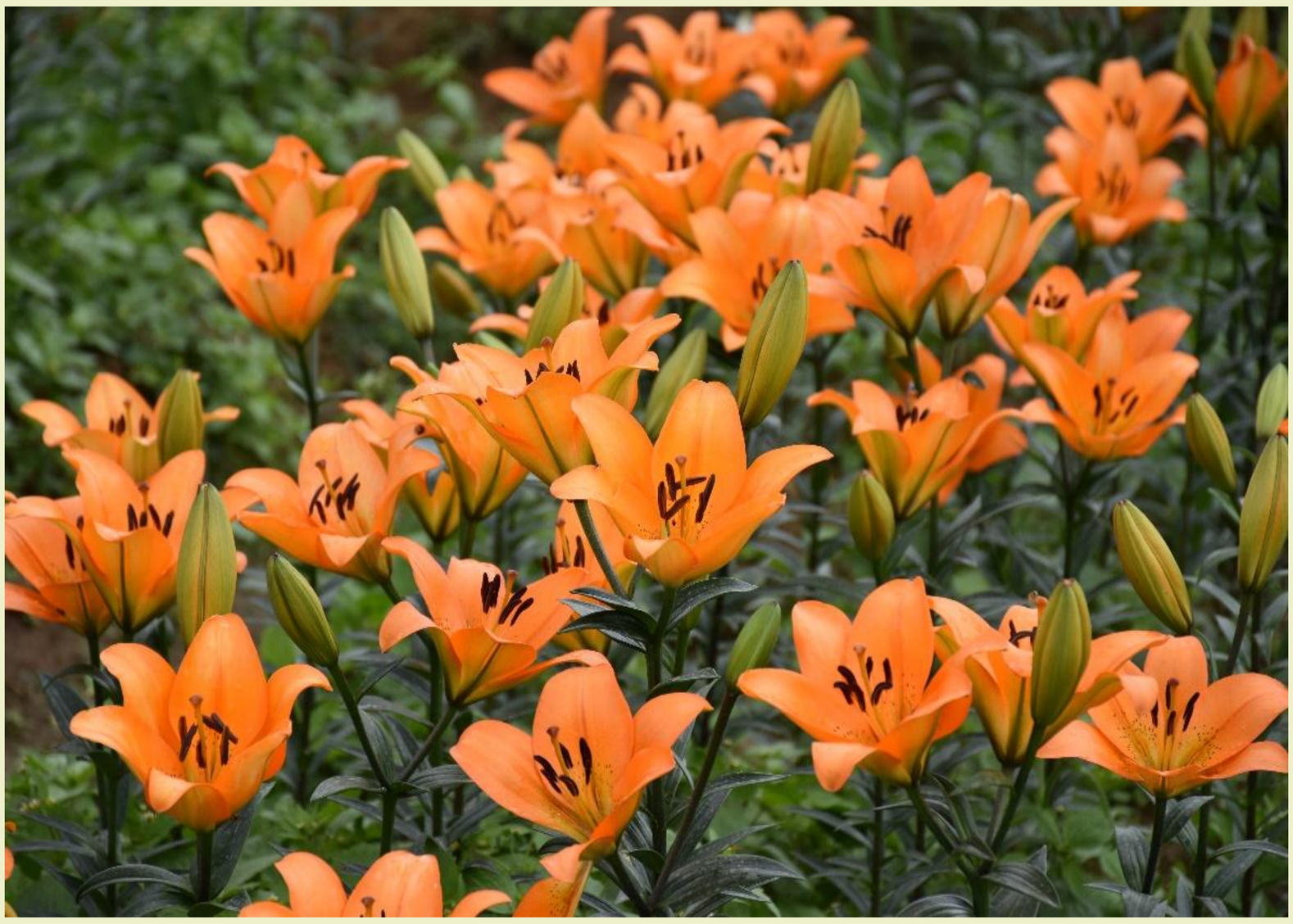

लिलियम की खेती

लिलियम में प्रजनन कार्य:

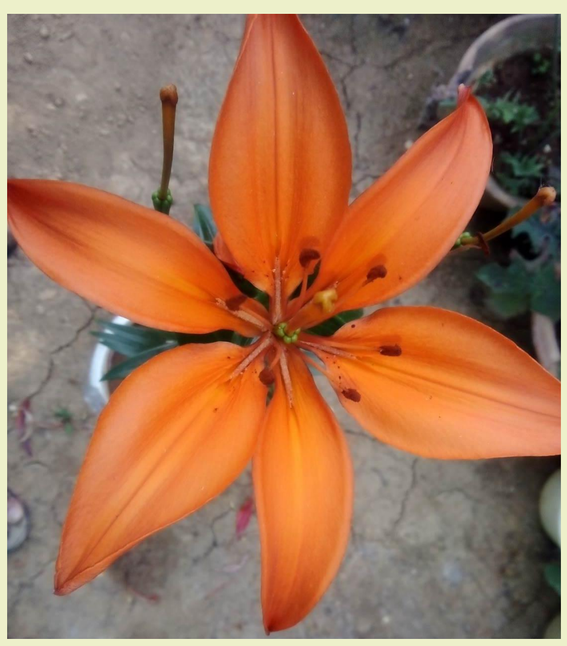

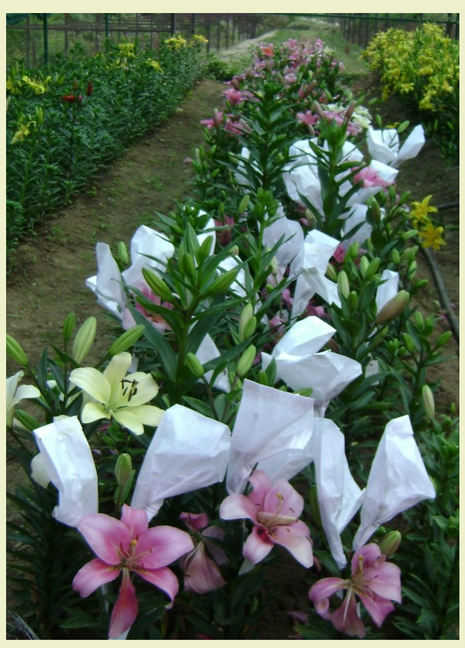

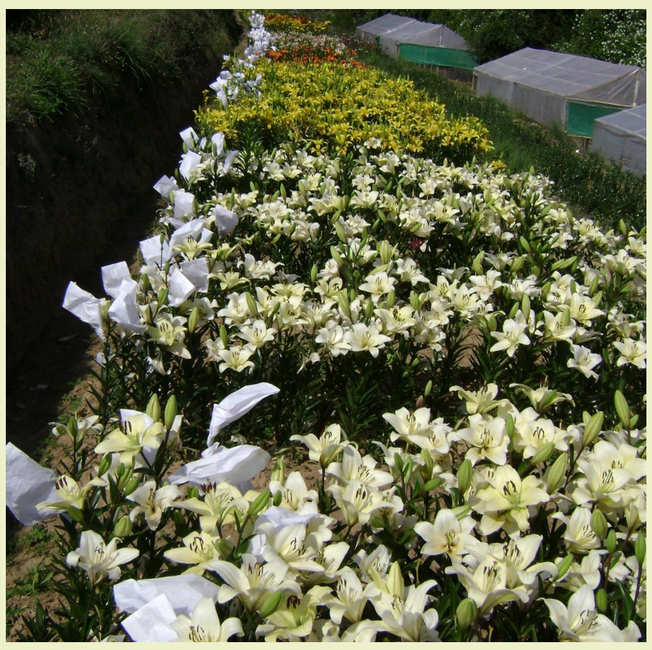

लिलियम में संकरण

लिलियम में स्केल के द्वारा प्रवर्धन:

सूक्ष्म बल्ब उत्पादन

लिलियम बल्ब

लिलियम की खेती के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ:

जलवायु

- दिन का तापमान 20-25° से. ग्रे.
- रात का तापमान 10-15° से. ग्रे.

मिट्टी

- पी.एच. मान 5.5 - 7.0
- जैविक पदार्थों से युक्त बलुई दोमट मिट्टी

रोपण के लिए कन्दो का सही आकार

- एशियाटिक लिली: 12 - 18 से.मी.
- ओरिएंटल लिली: 14 - 22 से.मी.

लिलियम की जलीय कृषि

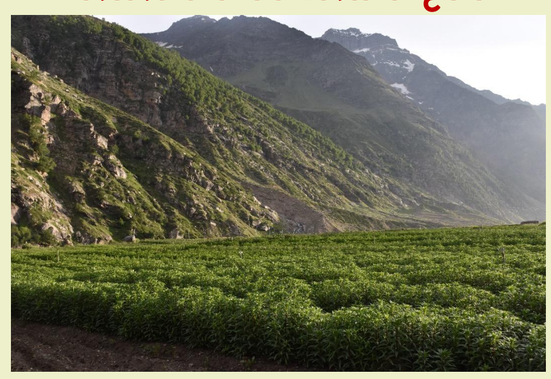

लाहौल में लिलियम की खेती

आर्थिक विश्लेषण (500 वर्ग मी.):

अवधि	कुल लागत (रु)	कुल आय (रु)	शुद्ध लाभ (रु)
पहला वर्ष	4,72,000	5,90,000	1,18,000
द्वितीय वर्ष	30,000	1,50,000	1,20,000
तृतीय वर्ष	45,000	6,00,000	5,55 ,000